[पटना] मंगलवार, 7 मई 2024 । मूल्य 5.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 5, अंक: 123] www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

अनमोल वचन

सौभाग्य हमेशा परिश्रम के साथ दिखाई देता है।

- गोल्ड स्मिथ

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

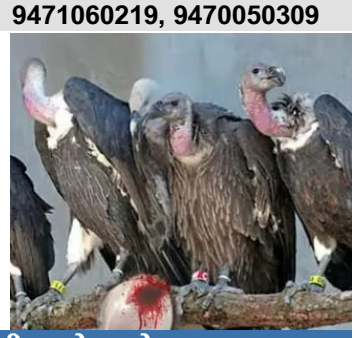

बिहार में सात मई को तीसरे चरण... 3

www.bordernewsmirror.com

4 वीटीआर के खुले आसमान पर ...

ओडिशा को मिलेगा भाजपा का पहला सीएम: मोदी

बीएनएम@नबरंगपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के नबरंगपुर में कहा कि राज्य को इस बार भारतीय जनता पार्टी का पहला मुख्यमंत्री मिलेगा, जो राज्य का मूल निवासी होगा, कोई बाहरी नहीं।

दक्षिण ओडिशा के नबरंगपुर के चिकिली में अपनी दूसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जो व्यक्ति संस्कृति, परंपराओं, समस्याओं और समाधानों को समझता है, वह राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री होगा, इसकी गारंटी वह खुद देते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत ह्यजय भगवान जगन्नाथ और जय श्री रामह्ल के नारे से की। उन्होंने लोगों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि राज्य की सभी 21 लोकसभा सीटों पर कमल खिले और राज्य में भाजपा की अगली सरकार बने।

उन्होंने ओडिशा के सभी 21 लोकसभा क्षेत्रों में कमल खिलने और विधानसभा चुनाव में भाजपा को शानदार जीत दिलाने का आग्रह किया जिससे राज्य में नई ऊर्जा, शक्ति और नेतृत्व लाया जा सके।

श्री मोदी ने कहा कि दिल्ली और ओडिशा में डबल इंजन की सरकार होने से राज्य के विकास को गति मिलेगी और सभी केंद्रीय योजनाओं को लागू करना सुनिश्चित हो सकेगा।

उन्होंने घोषणा की कि ओडिशा में भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य के किसानों को नई सरकार द्वारा खरीदे गए धान पर 3,100 रुपये प्रति क्विंटल प्राप्त होंगे। राज्य में बीजद सरकार पर कठोर प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो सरकार पिछले 25 वर्षों में लोगों की समस्याओं को सुलझाने में असमर्थ

रही है, उसने सत्ता में एक दिन भी बने रहने की नैतिकता खो दी है।

राज्य के तीन संसदीय क्षेत्रों- नबरंगपुर, कालाहांडी और कोरापुट से जमा भीड़ को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि वह किसी चुनावी सभा को संबोधित करने नहीं आए हैं, बल्कि लोगों को 10 जून को भाजपा के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का साक्षी बनने के लिए भुवनेश्वर आमंत्रित करने आए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि वे उनके निमंत्रण को स्वीकार करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीजद सरकार का कार्यकाल चार जून को समाप्त हो जाएगा और छह जून को भाजपा के नए मुख्यमंत्री की घोषणा की जाएगी।

श्री मोदी ने राज्य के लिए एक दूरदर्शी घोषणापत्र पेश करने और सुभद्रा योजना के शुरूआत की घोषणा करने के लिए ओडिशा भाजपा को धन्यवाद दिया, जिसके अंतर्गत राज्य की प्रत्येक महिला को 50,000 रुपये का नकद वाउचर प्राप्त होगा, जिसे दो वर्षों में भुनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने बल देकर कहा कि सुभद्रा योजना ओडिशा में बहनों और माताओं के जीवन में सुधार लाएगी और इसे मोदी की गारंटी कहा।

श्री मोदी ने कहा कि इंद्रावती बांध मौजूद रहने के बावजूद कोरापुट और नबरंगपुर के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी प्राप्त नहीं हो रहा है, जबकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के किसान सालाना तीन फसलों की खेती कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य में भाजपा सरकार उनके मुद्दों का समाधान करेगी।

उन्होंने कहा कि आपने केंद्र में मोदी सरकार के 10 वर्षों के शासन को देखा है और लोगों से ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए भाजपा को अगले पांच साल अवसर देने का अनुरोध किया।

ओडिशा में प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली चुनावी सभा थी, राज्य में 13 मई से शुरू हो रहे चार चरणों में लोकसभा और राज्य विधानसभा के लिए एक साथ चुनाव होंगे।

ब्रह्मपुर चुनावी सभा में, ब्रह्मपुर और अस्का दोनों लोकसभा सीटों के साथ-साथ विधानसभा सीटों के उम्मीदवार भी शामिल हुए।

नबरंगपुर चुनावी रैली में, कालाहांडी, नबरंगपुर और कोरापुट के पार्टी उम्मीदवारों ने ह्यविजय संकल्प समावेशह्ल शीर्षक वाली बैठक में हिस्सा लिया।

ओडिशा में लोकसभा की 21 सीटों में से चार और विधानसभा की 147 में से 28 सीटों पर 13 मई को मतदान होगा।

शाह ने दिया दुर्गापुर औद्योगिक क्षेत्र के सभी बंद कारखानों को खोलने का आश्वासन

बीएनएम@दुर्गापुर/कृष्णानगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर के लोगों को इस औद्योगिक जिले के सभी बंद कारखानों को फिर से खोलने का आश्वासन दिया और बताया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने दुर्गापुर इस्पात संयंत्र तथा यूरिया फैक्टरी के लिए और अधिक फंड देने की योजना बनायी है।

श्री शाह ने दुर्गापुर-बर्धमान से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा उम्मीदवार दिलीप घोष के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अपने गुंडों को पूरे बंगाल में आतंक का शासन चलाने की मंजूरी दे रखी है तथा कथित जबरन वसूली के लिए उद्योगों को बंद कर दिया गया है। उन्होंने तृणमूल सरकार पर अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए सीमा पार से घुसपैठियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हितों के खिलाफ कई गैरकानूनी तत्व भी सीमावर्ती क्षेत्रों को आश्रय स्थल बना रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस और तृणमूल रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

और अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना का विरोध कर रहे थे, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में बंगाल के लोगों ने 18 सांसद चुने, जिसके बाद श्री मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में ऐसा किया।

श्री शाह ने कहा, 'हमने ममता बनर्जी और उनके भतीजे को 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन वे दोनों नहीं आये क्योंकि उन्हें वोट बैंक खोने का डर है और आप जानते हैं कि उनके वोट बैंक कौन हैं।'

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने का कांग्रेस, कम्युनिस्ट और तृणमूल जैसे विपक्षियों ने विरोध किया था, खास तौर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चेतावनी दी थी कि खून-खराबा होगा।

मोदी से पूछना, क्यों आरक्षण खत्म करना चाहते हैं उनके लोग : राहुल

बीएनएम@सेगांव (खरगोन)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में मंगलवार को प्रस्तावित चुनावी दौरे के एक दिन पहले आज यहां आए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आदिवासीबहुल इस क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी चुनाव के बाद आरक्षण की सीमा को बढ़ा देगी और कल सभी लोग प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रवास के दौरान उनसे सवाल करें कि क्यों उनके लोग आरक्षण को रद्द करने की बात करते हैं। श्री गांधी यहां पार्टी के खरगोन और खंडवा संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

इसी खरगोन क्षेत्र में कल प्रधानमंत्री श्री मोदी की भी चुनावी सभा होने वाली है।

हम चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में हैं: मुर्मु

बीएनएम@धर्मशाला

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है लेकिन, अतीत में बदलाव की गति इतनी तेज नहीं थी। आज हम चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में हैं। श्रीमती मुर्मु सोमवार को यहां हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में भाग लेते हुए इस आशय की बात कही। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा,ह्लपरिवर्तन प्रकृति का नियम है। लेकिन, अतीत में बदलाव की गति इतनी तेज नहीं थी। आज हम चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग जैसे नए क्षेत्र तेजी से उभर रहे हैं। परिवर्तन की गति और परिमाण दोनों ही बहुत अधिक हैं, जिसके कारण प्रौद्योगिकी और आवश्यक कौशल बहुत तेजी से बदल रहे हैं। इक्कीसवीं सदी की शुरूआत में कोई नहीं जानता था कि अगले 20 या 25 वर्षों में लोगों को किस तरह के कौशल की आवश्यकता होगी। इसी तरह, कई मौजूदा कौशल अब भविष्य में उपयोगी नहीं रहेंगे। इसलिए हमें लगातार नए कौशल अपनाने होंगे। हमारा ध्यान लचीला दिमाग विकसित करने पर होना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी तेजी से हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बिठा सके। हमें छात्रों में सीखने की जिज्ञासा और इच्छा को मजबूत कर उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना होगा।शिक्षकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो छात्रों को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाए और उनके चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण करे। शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में अपनी संस्कृति, परंपरा और सभ्यता के प्रति जागरूकता लाना भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस संबंध में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उनका कार्य क्षेत्र केवल शिक्षण तक ही सीमित नहीं है, उन पर देश के भविष्य के निर्माण की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारा ध्यान क्या सीखें के साथ-साथ कैसे सीखें पर भी होना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि जब छात्र बिना किसी तनाव के स्वतंत्र रूप से सीखते हैं, तो उनकी रचनात्मकता और कल्पना को उड़ान मिलती है। ऐसे में वे शिक्षा को सिर्फ आजीविका का पर्याय नहीं मानते. बल्कि, वे नवप्रवर्तन करते हैं, समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं और जिज्ञासा के साथ सीखते हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हर व्यक्ति में अच्छाई और बुराई दोनों की क्षमता होती है। उन्होंने उन्हें यह ध्यान रखने की सलाह दी कि चाहे वे कितनी भी कठिन परिस्थिति में क्यों न हों, उन्हें कभी भी बुराई को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए।

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

राहुल गांधी कहीं से भी चुनाव लड़ें हर जगह उनकी हार तय है : चौधरी

पटना

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी में नामांकन के अंतिम दिन अपने पत्ते खोल दिए। पार्टी ने रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। राहुल गांधी के सीट बदलने पर बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने तंज कसा है। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि पहले उनको डर था तो हम लोगों ने उनको मंदिर भिजवाया। अब पूरा गांधी परिवार परंपरागत सीट को भी छोड़कर भाग रहा है। इनका

पूरा खानदान परंपरागत सीट छोड़कर भाग रहा है। यह लोग कहीं से चुनाव लड़ें हर जगह इनकी हार तय है। सम्राट ने कहा कि एक बात लिखकर रख लीजिए 2025 में जब नवंबर के महीने में विधानसभा का चुनाव होगा तो उससे पहले 10 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका होगा। विधानसभा चुनाव से पहले एक-एक व्यक्ति की सूची निकाल कर हम बताने का काम करेंगे कि नीतीश कुमार ने जो वादा किया था उसे किस हद तक पूरा किया है। यह हमारी गारंटी है। यह लालू का राज नहीं है कि 15 साल में एक भी लोगों को रोजगार नहीं मिला। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी किसी भी जगह से चुनाव लड़ें जनता का विश्वास उनके साथ नहीं है। वह डरे हुए हैं। इसलिए अब सीट छोड़ रहे हैं। राहुल गांधी में आत्मविश्वास नहीं है कि वह वायनाड से चुनाव जीतेंगे। अब रायबरेली में डर से आए हैं। राहुल गांधी पूरी तरह से रिजेक्ट हो चुके हैं। वह जहां से भी चुनाव लड़ेंगे उनका हार तय है।

अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो पूरे देश में आ जाएगा लालू का 'जंगलराज' : शाह

समस्तीपुर

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आगाह किया कि यदि मौजूदा लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो पूरे देश में लालू का 'जंगल राज' आ जाएगा।

श्री शाह ने सोमवार को उजियारपुर लोकसभा सीट पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी नित्यानंद राय के पक्ष में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो पूरे देश में लालू राज की तरह 'जंगल राज' होगा। उन्होंने कहा कि जब लालू प्रसाद यादव राज्य के मुख्यमंत्री थे तब बिहार में 'जंगल राज' था। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, झारखंड में इंडिया गठबंधन सरकार के एक मंत्री के सहयोगी के पास से कल 30 करोड़ रुपये की भारी नकद बरामद की गई कुछ सप्ताह पहले झारखंड में कांग्रेस सांसद के आवास से 350 करोड़ रुपये की भारी नकदी बरामद की गई थी। इसी तरह पिछले साल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के एक मंत्री के आवास से 51 करोड़ रुपये बरामद किए गए थे। भाजपा नेता ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी नेता भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं और उन्हें देश के आम लोगों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने पूछा कि क्या भ्रष्ट आचरण में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए या सकारात्मक जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

भारत-नेपाल सीमा हुआ सील, अररिया में मतदाता मतदान के लिए पूरी तरह तैयार

फारबिसगंज/अररिया

अररिया लोकसभा सीट पर मंगलवार को मतदान होना है. मतदाता मतदान के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. आसमान में उमड़े बादल के कारण मौसम में थोड़ी नमी आयी है. इससे जिला प्रशासन को इस बात का भरोसा है कि पिछले चुनाव से मतदान का प्रतिशत कम नहीं होगा। प्रत्याशियों के दिलों की धड़कन भी तेज हो गयी है. ऐसे में एक प्रतिशत भी कम मतदान प्रतिशत किसके लिये नुकसानदायक होगा कहना मुश्किल है. बहरहाल 07 मई को तीसरे चरण के लिए जिले के तीन मुख्य दलों समेत छह निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं. इनमें भाजपा प्रत्याशी प्रदीप सिंह, राजद प्रत्याशी शाहनवाज आलम व बहुजन समाज पार्टी के गौसूल आजम के अलावा मो इस्माइल, जावेद अख्तर, अखिलेश कुमार, मुस्ताक आलम, मो मोबिनुल हक, शत्रुध्न प्रसाद सुमन शामिल है. लोकसभा चुनाव को लेकर भारत-नेपाल सीमा 48 घंटे पूर्व भारत-नेपाल सीमा को कस्टम के अधिकारियों ने जोगबनी थानाध्यक्ष राजीव कुमार आजाद व जोगबनी एसएसबी कैंप प्रभारी आनंद सिंह भंडारी की उपस्थिति में सील कर दिया।वही, सीमा सील होने के बाद लोगों की आवाजाही पर पूर्णतः रोक लगा दी गयी है. भारतीय पक्ष द्वारा सीमा सील किये जाने के बाद नेपाल ने भी अपनी सीमा को सील कर दिया है. सीमा सील होने के बाद दर्जनों गाड़ियां, जो नेपाल सैर-सपाटे अथवा किसी कार्य से गयी थीं फंसी रह गयीं. इस संबंध में जोगबनी एसएसबी कैंप प्रभारी आनंद सिंह भंडारी ने कहा कि सीमा सील होने के बाद लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गयी है. जो लोग सीमा सील होने के बाद नेपाल में या भारत में फंस गये हैं, सिर्फ उन्हें ही पहचान पत्र दिखाने के बाद आने-जाने दिया जायेगा. जो भी लोग नेपाल से भारत यात्रा करने जानेवाले हैं, उन्हें यात्रा टिकट दिखाने के बाद ही भारतीय क्षेत्र में प्रवेश दिया जाएगा. अब सीमा को 48 घंटे बाद मंगलवार को चुनाव समाप्त होने के बाद ही खोला जायेगा।

फर्जी लूटकांड दर्ज कराने वाला सीएसपी संचालक गिरफ्तार

मोतिहारी। जिले के दरपा थाना पुलिस ने फर्जी लूटकांड दर्ज कराने वाला सीएसपी संचालक को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि दरपा थाना क्षेत्र स्थित पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक सेवा केन्द्र के संचालक गौतम कुमार सिंह ने लिखित आवेदन देते हुए तीन अज्ञात अपराधी द्वारा चाकू एवं पिस्टल का भय दिखाकर ग्राहक सेवा केन्द्र से पचास हजार रुपये लूट का मामला दर्ज कराया गया था। आवेदन के आलोक एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर डीएसपी रक्सौल धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व लूट की तहकीकात की गयी। इस दौरान पाया गया कि आवेदक द्वारा रुपये को गबन करने की नियत से पुलिस को दिग्भ्रमित करते हुए फर्जी कांड दर्ज कराया गया है।

सारण सीट से एक प्रत्याशी ने नामांकन वापस लिया, 14 मैदान में

छपरा

बिहार में सारण संसदीय क्षेत्र से पांचवें चरण में होने वाले चुनाव के लिए आज एक प्रत्याशी ने नाम वापस ले लिया जिससे 20 मई को होने वाले मतदान में तीन मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के साथ कुल 14 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। सारण के निवार्ची पदाधिकारी - सह-जिलाधिकारी अमन समीर ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि बहुजन समाज पार्टी से अविनाश कुमार, भारतीय जनता पार्टी से राजीव प्रताप रूड़ी, राष्ट्रीय जनता दल से डॉ रोहिणी आचार्या, जनहित किसान पार्टी से गजेंद्र प्रसाद चौरसिया, भारतीय एकता दल से ज्ञानी कुमार शर्मा,गया सुरक्षा पार्टी से बरुण कुमार दास, भारतीय लोक चेतना पार्टी से राजेश कुशवाहा, भारतीय सार्थक पार्टी से शत्रुधन तिवारी निर्दलीय आरती कुमारी, प्रभात कुमार, मोहम्मद सलीम, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, लक्ष्मण पराव यादव और शेख नौशाद चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के साथ ही सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न भी आवंटित किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि सारण संसदीय क्षेत्र में महिला मतदाता की संख्या 854230 और पुरुष मतदाता की संख्या 940771 सहित कुल मतदाता की संख्या 1795010 है।

नीट की परीक्षा में पकड़े गए चार मुन्ना भाई, 20 लाख में हुई थी डील

पूर्णिया

पूर्णिया में नीट की परीक्षा के दौरान जब जांच हुई तो मुन्ना भाई पकड़े गए। यह चारों मुन्ना भाई दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे थे। सभी चारों डमी कैंडिडेट एसआरडीएसी एग्जाम सेंटर से पकड़े गए जो मधुबनी थाना क्षेत्र में पड़ता है। 2:00 बजे के बाद शुरू हुई परीक्षा के दौरान जब पर्यवेक्षक जांच कर रहे थे तो शक हुआ और जब पूछताछ होनी शुरू हुई तो पकड़े गए। पूर्णिया एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने बताया कि पूछताछ में इन्होंने बताया है कि यह डील 20 लाख में तय हुई थी।पेपर पूरी होने के बाद प्रति कैंडिडेट 5 लाख रुपए पेमेंट करना था। पकड़े गए सभी डमी कैंडीडेट राजस्थान के जालौर, भोजपुर, बेगूसराय और सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि ये सभी मेडिकल स्टूडेंट्स हैं। राजस्थान के पकड़े गए मुन्ना भाई जालौर जिले के सांचौर थाना अंतर्गत खाका राम गांव निवासी कमलेश कुमार है। कमलेश कुमार परीक्षार्थी धीरज प्रकाश की जगह परीक्षा दे रहा था। दूसरा मुन्ना भाई नीतीश कुमार भोजपुर जिले के बिहियां गांव के वार्ड 2 निवासी धर्मपाल सिंह के पुत्र हैं। नीतीश आशीष के बदले परीक्षा दे रहा था। बेगूसराय के रहने वाले सौरभ कुमार मटिहानी थाना के रामदेरी गांव टोला नकती वार्ड 6 निवासी विजय गुप्ता के बेटे हैं। सौरभ तथागत कुमार के स्थान पर परीक्षा दे रहे थे। चौथा मुन्ना भाई मयंक कुमार उर्फ किशन कुमार है जो सीतामढ़ी जिले के चौरोथ थाना के बड़ी बिहटा गांव के वार्ड नंबर 4 के निवासी नील रंजन चौधरी के पुत्र हैं। मयंक दीपक कुमार के स्थान पर परीक्षा दे रहे थे। एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने बताया कि सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। पुलिस इस बात की जांच करेगी की इसका मुख्य जरिया कौन है।

चुनाव आयोग के प्रेक्षक पहुंचे, सूचना के लिए मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक

गोपालगंज

निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक गोपालगंज पहुंच चुके हैं। आयोग द्वारा सामान्य प्रेक्षक के रूप में वरिष्ठ आइएएस अधिकारी तन्वी सुन्द्रीयाल, जो भारतीय प्रशसनिक सेवा के 2010 बैंच के अधिकारी है। व्यय प्रेक्षक के रूप में वरिष्ठ आइआरएस अधिकारी विजय कृष्णा वेलन क और वरिष्ठ भारतीय रेलवे लेखा सेवा के अधिकारी प्रदीप शर्मा और पुलिस प्रेक्षक के तौर पर भारतीय पुलिस सेवा के 2010 क वरिष्ठ अधिकारी मनोज कुमार सोनकर की नियुक्तियां की गई हैं। प्रेक्षक यहां सर्किट हाउस में ठहरे हैं। उन्होंने आम जनता से लोकसभा चुनाव संबंधी जानकारी, सूचना और शिकायतों के लिए मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक किया है। तन्वी सुन्द्रीयाल का मोबाइल नंबर (9630897589, 9031053801), व्यय प्रेक्षक विजय कृष्णा वेलन क का मोबाइल नंबर (8489602579, 9031053804)और प्रदीप शर्मा का मोबाइल नंबर (7728895893, 9031053805) है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

बिहार में सात मई को तीसरे चरण में पांच लोकसभा सीटों पर 54 उम्मीदवारों के भाग्य का होगा फैसला

बीएनएम@पटना

बिहार में तीसरे चरण का मतदान सात मई को होगा। इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य के झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया में मतदान होना है। इसके 48 घंटे पूर्व यानी रविवार की शाम चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। इस चरण में कुल 54 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है। इनमें 51 पुरुष और तीन महिला उम्मीदवार हैं। झंझारपुर में 10, सुपौल में 15, अररिया में 9, मधेपुरा में 8 और खगड़िया में 12 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। तीसरे चरण में पांच सीटों पर प्रदेश के 98 लाख 60 हजार 397 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 51 लाख 29 हजार 473 पुरुष तो 47 लाख 30 हजार 602 महिला मतदाता और 322 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 100 वर्ष से अधिक आयु के 2,716 मतदाता भी हैं। पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की संख्या 01 लाख 45 हजार 482 है। तीसरे चरण के मतदान में 11,818 बैलेट यूनिट, 11,818 कंट्रोल यूनिट और 12,861 वीवीपैट इस्तेमाल होंगे। प्रति बूथ 1001 मतदाताओं के मतदान की व्यवस्था है। 32 बूथों का प्रबंधन महिलाएं संभालेंगी। इस चरण में कुल 45 मॉडल बूथ भी बनाए गए हैं। कुल 5,039 बूथों से लाइव बेवकास्टिंग होगी।

झंझारपुर से मुकेश सहनी की प्रतिष्ठा दांव पर

झंझारपुर सीट पर मुंकेश सहनी की वीआईपी के सुमन कुमार महासेठ मैदान में हैं। महागठबंधन में शामिल होने के बाद राजद ने ये सीट वीआईपी को दी है। दूसरी ओर जदयू से इस सीट पर रामप्रीत मंडल हैं। इस सीट पर महागठबंधन का खेल बिगाड़ने के लिए गुलाब यादव मैदान में आ गए हैं। वे कुछ दिनों से बागी हो गए हैं। इस चुनाव में वह वीआईपी से टिकट के दावेदार थे। टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। गुलाब यादव पहले विधायक रह चुके हैं। पिछले साल उनकी पत्नी ने राजद से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय एमएलसी चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की थी। गुलाब यादव की बेटी जिला परिषद की अध्यक्ष हैं।

खगड़िया सीट पर सीपीएम-लोजपा-रामविलास में टक्कर

खगड़िया सीट महागठबंधन में सीपीएम के खाते में है। सीपीएम ने संजय कुमार कुशवाहा को मैदान में उतारा है जबकि राजग की तरफ से ये सीट एलजेपी (रामविलास) के हिस्से में है। चिराग पासवान ने यहां महबूब अली कैसर को चलता कर राजेश वर्मा को मैदान में उतारा है। महागठबंधन और राजग दोनों के उम्मीदवार नए हैं। राजेश वर्मा पर एनडीए की सीट बचाए रखने की चुनौती है तो संजय कुमार कुशवाहा पर महागठबंधन को जीत दिलाने की।

अररिया में राजद मुस्लिम-यादव के सहारे

नेपाल से सटे सीमांचल के अररिया लोकसभा सीट में 40 प्रतिशत से ज्यादा यादव और 32 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। इसके बाद भी 2019 में महागठबंधन यहां चुनाव हार गई थी। भाजपा के प्रदीप सिंह यहां से 1.37 लाख मतों से विजयी हुए थे। इस बार प्रदीप का राजद के शाहनवाज आलम से मुकाबला है। कोसी के आंचल में बसे सुपौल में इस बार 15 उम्मीदवार मैदान में हैं। कोसी क्षेत्र की सुपौल लोकसभा सीट पर जदयू के लिए सीट बचाने की चुनौती है। क्योंकि, सामान्य सीट से राजद ने दलित समाज से आने वाले चंद्र हास को टिकट देकर मुकाबले को दलित बनाम अगड़ा करने की कोशिश की है। लालू यादव को उम्मीद है कि एमवाई के साथ यदि दलित वोटर जुड़ जाते हैं तो उनकी जीत की राह आसान होगी।

रोम पोप का और मधेपुरा गोप का

रोम पोप का और मधेपुरा गोप का यह कहावत यहां चरितार्थ हो पायेगा या नहीं यह कल के मतदान के बाद ही पता चलेगा लेकिन यादव वोटर यहां चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाते आ रहे हैं। पूर्णिया से निर्दलीय लड़कर महागठबंधन की नाक में दम करने वाले पप्पू यादव भी यहां से सांसद रह चुके हैं। जदयू ने यहां से वर्तमान सासंद दिनेश चंद्र यादव को एक बार फिर से मैदान में उतारा है जबकि राजद ने डॉ. कुमार चंद्रदीप को टिकट दिया है। यहां एनडीए में यादव बनाम यादव की लड़ाई है। मधेपुरा का यह चुनाव लालू यादव पर अपने यादव वोटरों पर पकड़ और जदयू के लिए सीट बचाने की चुनौती है।

बसंतपुर एसएसबी ने दो मवेशी को किया जब्त

बीएनएम@बेतिया

भारत- नेपाल बॉडर से बसंतपुर एसएसबी ने दो मवेशी को जब्त किया. बसंतपुर बीओपी के मुख्य आरक्षी वीरेंद्र सिंह ने बताया की रविवार को देखा गया की पिलर संख्या 416/15 के पास से तस्करी के नियत से दो मवेशी को नेपाल ले जाने की फिराक में था. संदेह के आधार पर जवानों ने रुकने को बोला. एसएसबी की आवाज सुन तस्कर मवेशी छोड़ नेपाल में भाग गया. त्वरित जवानों ने दोनों मवेशी को जब्त कर लिया. मुख्य आरक्षी ने जब्त की गई मवेशी को मैनाटांड थाना को सुपुर्द कर दिया. थानाध्यक्ष मंटू कुमार में बताया की अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है.

केसरिया पुलिस संरक्षण : चुनाव में भी गैर जमानती वारंट वाला मुखिया नहीं हो रहा गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी

जिले केसरिया बथना पञ्चायत के पूर्व मुखिया अमजद अली खान के विरुद्ध न्यायालय द्वारा नौ महीने पूर्व से गैर जमानती वारंट जारी करने के वावजूद गिरफ्तारी नहीं होना चकिया अनुमंडल के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सहित थाना प्रभारी और अनुसंधान कर्ता को सवालों में ला खड़ा किया है । आरोप है कि व्यवसाय को लेकर अमजद अली ने धोखे से ताजपुर के पूर्व मुखिया हेमंत सिंह से करीब 55 लाख रूपया ले लिया और गारंटी के तौर पर एक चेक दिया । धोखाधडी की नियत से जारी इस चेक को बाउंस करवा कर अमजद अली के विरुद्ध धोखाधड़ी

का मुकदमा दर्ज किया गया जिसको एसपी सहित सभी अधिकारियों ने सत्य करार दिया गया । अभियुक्त के जमानत को निचले अदालत के साथ साथ उच्च न्यायालय ने भी रद्द कर दिया है वावजूद इसके पुलिस का वारंट पर कुंडली मार कर बैठ जाना सवालों में है । सबसे आश्चर्य के बात तो ये है कि अभियुक्त पूर्व मुखिया अमजद अली मुकदमे के अनुसंधानकर्ता के साथ भी देखा जाता रहा है वही डीएसपी सतेंद्र कुमार सिंह के कार्यालय का भी लगातार चक्कर लगाता देखा गया है । वरीय अधिकारियों को पीड़ित पक्ष द्वारा भेजे गए पत्र में पुलिस अधिकारियों पर पूर्व मुखिया को संरक्षण देने और वारंट के बाद भी गिरफ्तारी नहीं करने के आरोप लगाया गया है।

चरस तस्करी मामले में एक को दस वर्षों का सश्रम कारावास

बीएनएम@मोतिहारी

12वीं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह एनडीपीएस एक्ट कोर्ट नंबर एक के विशेष न्यायाधीश नूर सुल्ताना ने चरस तस्करी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को दस वर्षों का सश्रम कारावास व दो लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर दो माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा पश्चिमी चंपारण रामनगर थाना के हरिनगर सिसवानी टोला निवासी गोविंद सहनी को हुई। मामले में पलनवा भेलाही ओपी के तत्कालीन सअनि रामनारायण राम ने भेलाही ओपी थाना कांड संख्या 17/2024 दर्ज कराते हुए गोविंद सहनी को नामजद किया था, जिसमें कहा था कि 3 अप्रैल 2016 की संध्या करीब 4.30 बजे भेलाही ओपी चेक पोस्ट के पास पुलिस बल गश्त लगा रही थी। उसी दौरान चेकिंग से बचने के लिए एक व्यक्ति नेपाल की ओर से पगडंडी पकड़कर आ रहा था। संदेह होने पर उक्त व्यक्ति को रोका गया तथा उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से तीन पॉकेट में रखा 1.600 ग्राम चरस बरामद किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध 3 जनवरी 2017 को आरोप गठन कर न्यायालय ने वाद विचारण की। एनडीपीएस वाद संख्या 22/2016 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक डा. शंभू शरण सिंह ने तीन गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद धारा 20(बी)(सी) एवम 23(सी) एनडीपीएस एक्ट में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनायी है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

घर-घर जाकर बीएलओ बाटेंगे फोटो युक्त मतदाता पर्ची:डीएम

बीएनएम@मोतिहारी

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अवसर पर प्रत्येक मतदाता को फोटो मतदाता पर्ची उपलब्ध कराने का निर्देश प्राप्त है। मतदान की तिथि से 5 दिन पहले तक सभी मतदाताओं को फोटो मतदाता पर्ची उपलब्ध करा दी जानी है। इसके आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण सौरभ जोरवाल के द्वारा सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण को निर्देश दिया गया है कि मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से 18 मई 2024 तक हर हाल में सभी मतदाताओं को फोटो मतदाता पर्ची का वितरण करना सुनिश्चित कराई जाए।

फोटो मतदाता पर्ची का वितरण प्रत्येक बीएलओ के द्वारा डोर टू डोर किया जाना है। किसी भी स्थिति में किसी स्थान पर केंद्रित होकर वितरण नहीं करना है। फोटो मतदाता पर्ची मतदाता को अथवा उसके परिवार के किसी व्यक्ति को ही दिया जाएगा, किसी भी स्थिति में परिवार के सदस्य को छोड़कर अन्य व्यक्ति को मतदाता पर्ची नहीं देनी है। फोटो मतदाता पर्ची पर बीएलओ के द्वारा स्पष्ट हस्ताक्षर किया जाना है और यह हस्ताक्षर बीएलओ मतदाता पर्ची के वितरण के समय ही करेंगे। पहले से ही पर्ची पर हस्ताक्षर करके नहीं रखेंगे।

बीएलओ द्वारा मतदाता पर्ची के वितरण की प्राप्ति का हस्ताक्षर पंजी में लिया जाएगा।यदि मतदाता पढ़े-लिखे नहीं है तो उनके बाएं अंगूठा का निशान बीएलओ के द्वारा इस पंजी में लिया जाएगा एवं निशान को घेर कर सत्यापित किया जाएगा। बीएलओ अपने पास इसके लिए स्टैंप पैड भी रखेंगे प्रत्येक बीएलओ को मतदाताओं की संख्या के अनुसार जिला निर्वाचन कार्यालय से पंजी शीघ्र उपलब्ध करा देने का निर्देश दिया गया है। फोटो मतदाता पर्ची का शत-प्रतिशत वितरण की जिम्मेदारी बीएलओ को दी गई है और इस कार्य को अभियान के तौर पर संपादित करने का निर्देश दिया गया है। बीएलओ के द्वारा प्रतिदिन वितरण संबंधी प्रतिवेदन निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को विहित प्रपत्र में संध्या 5:00 बजे तक उपलब्ध करा देने का निर्देश दिया गया है। सभी सेक्टर पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि उनको आवंटित मतदान केंद्र से संबंधित बीएलओ से संपर्क स्थापित कर शत-प्रतिशत मतदाता पर्ची वितरण करना सुनिश्चित करेंगे साथ ही मतदान केंद्र का भ्रमण कर पर्ची वितरण का भौतिक सत्यापन भी करेंगे और इससे संबंधित प्रमाण पत्र समर्पित करेंगे कि सभी मतदाता को मतदाता पर्ची का वितरण कर दिया गया है।

सभी आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका को निर्देश दिया गया है कि आंगनबाड़ी के पोषक क्षेत्र में भ्रमण कर मतदाता पर्ची वितरण का सत्यापन करेंगे और वितरण संबंधी प्रमाण पत्र संबंधित सीडीपीओ को उपलब्ध कराएंगे। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस को निर्देश दिया गया है कि शत-प्रतिशत मतदाता पर्ची वितरण का भौतिक सत्यापन महिला पर्यवेक्षिका तथा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के माध्यम से करवाएंगे और वितरण का प्रमाण पत्र उपलब्ध करायेंगे। इस प्रकार सभी विकास मित्र एवं टोला सेवक को निर्देश दिया गया है कि वे लोग भी अपने संबंधित टोलों में मतदाता पर्ची वितरण का भौतिक सत्यापन करेंगे और उसका प्रमाण पत्र जिला कल्याण पदाधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि सभी विकास मित्र एवं टोला सेवक से मतदाता पर्ची वितरण का भौतिक सत्यापन करते हुए संबंधित प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएंगे।

सभी अनुमंडल पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण जिला को निर्देश दिया गया है कि अपने अधीनस्थ सभी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकानदारों के माध्यम से मतदाता पर्ची वितरण का भौतिक सत्यापन प्राप्त करेंगे तथा इसका प्रमाण पत्र जिला को उपलब्ध कराएंगे।

सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि मतदाता पर्ची का वितरण 18 मई तक हर हाल में पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे और यदि किसी बीएलओ के द्वारा इस कार्य में लापरवाही या शिथिलता बरती जा रही है या चूक की गई है तो इसे काफी गंभीरता से लिया जाएगा और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा के अंतर्गत उनके विरुद्ध समुचित कार्रवाई की जाएगी। जिला में लोकसभा के लिए मतदान की तिथि 25.05.2024 को निर्धारित है

स्वच्छता कर्मियों को मानदेय नहीं मिलने से कचरा उठाव कार्य प्रभावित

केसरिया के छह पंचायतों का मामला

बीएनएम@अमृतेश ठाकुर

प्रखण्ड क्षेत्र में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान फिसड्डी साबित हो रहा है। लाखों रुपया खर्च कर भी इस अभियान का सफल नहीं होना संबंधित लोगों की उदासीनता को दर्शा रहा है। जानकारी है कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के प्रथम फेज में प्रखण्ड क्षेत्र के दो पंचायत सेम्भुआपुर व ताजपुर पटखौलिया में कार्य शुरू हुआ। इन दोनों पंचायतों में डस्टबिन, ई-रिक्शा, पी-रिक्शा की खरीददारी की गई। वहीं ताजपुर पटखौलिया में डंपिंग सेंटर का निर्माण भी हुआ। जहाँ कचरा को रखा जाने लगा। वहीं एक पंचायत में इस सेंटर का भवन निमार्णाधीन है। ताजपुर पटखौलिया के मुखिया भोला कुमार के अनुसार करीब पाँच माह से स्वच्छता कर्मियों को मानदेय नहीं मिल रहा है। जिसके कारण कार्य प्रभावित है। इसको लेकर विभाग को सूचना दी गई है। इन दोनों पंचायतों में कुछ दिन तक डोर-टू-डोर कचरा का उठाव भी हुआ। लेकिन विभिन्न कारणों से अब यह कार्य प्रभावित है। वहीं इस अभियान के दूसरे फेज में मठिया, खिजिरपुरा बेनीपुर, पूर्वी व पश्चिमी सरोत्तर पंचायत में भी इस अभियान की शुरूआत की गई। वहाँ भी करीब यही स्थिति है। वहीं गोंछी कुशहर व पश्चिमी सुन्दरापुर पंचायत में यह अभियान प्रक्रियाधीन है। बताया जाता है कि फिलवक्त इन सभी छह पंचायतों में कचरा उठाव में काम आने वाले 14 पैडल रिक्शा खराब है। वहीं वेतन नहीं मिलने से स्वच्छता कर्मी कार्य नहीं कर रहे हैं। जिससे डोर-टू-डोर कचरा उठाव का कार्य बाधित है। विभागीय सूत्रों की मानें तो इस अभियान में एक पंचायत में डस्टबिन आदि की खरीददारी पर 15 वीं वित्त योजना से करीब 10 से 12 लाख रुपया खर्च किया गया है। वहीं डंपिंग सेंटर का निर्माण मनरेगा से किया गया है। इतनी राशि खर्च के बावजूद अभियान का विफल होना विभागीय उदासीनता दर्शा रहा है। कचरा उठाव नहीं होने से टोला-कस्बों में गंदगी फैल रही है। इस संदर्भ में बीपीआरओ से बात करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मनाया गया आशा दिवस

बीएनएम@पताही

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे शनिवार को आशा दिवस मनाया गया। इसको लेकर आशा कार्यकताओं को उनके कार्यों के बारे में बिस्तृत जानकारी देने के साथ उनका महत्व बताया गया। आशा कार्यकताओं को संस्थागत प्रसव, प्रसव पूर्व गर्भवती महिलाओं को पूर्ण जांच तथा नवजात के पूर्ण टीकाकरण पर काम करने की सलाह दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राज कुमार ने बताया सोमवार को आशा दिवस मनाया गया। इस मौके पर आशा कार्यकताओं को सरकार के द्वारा प्रायोजित योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने सहित फैमिली प्लानिंग के लिए जागरूकता, कालाजार उन्मूलन हेतु जागरूकता, सहित जिंक व ओआरएस के फायदे के बारे में लोगों को जागरूक करने की बात कही गई।इस मौके पर एमएंडई मुकेश कुमार,अकाउंटेंट सुमन सौरव,काउंसलर सतीश मिश्रा,आशा सुधा देवी, इंदु देवी, अलका देवी, निर्मला कुमारी, समेत आशा फैसिलेटर व कार्यकर्ता उपलब्ध रही।

वीटीआर के खुले आसमान पर गिद्धों को उड़ान भरते देखा जा रहा

बीएनएम@बगहा

वीटीआर जंगल के खुले आसमान में इनदिनों गिद्धों को उड़ान भरते देखा जा रहा है। जिससे वनकर्मियों में उत्साह देखा जा रहा है। रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल मे गिद्धों की संख्या देखी जा रही है। इसके संरक्षण व देखभाल के लिए वल्चर ट्रैकर्स की टीम को लगाया गया है। ताकि इन्हें किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचे। बतादें की पड़ोसी नेपाल के चितवन स्थित जटायु गिद्ध संरक्षण केंद्र से लम्बी उड़ान भरते हुए वीटीआर जंगल मे प्रचुर मात्रा में भोजन व अनुकूल वातारण की वजह से ये गिद्ध आ रहे हैं। जटायु गिद्ध संरक्षण केंद्र के समिति अध्यक्ष डीबी चौधरी के मुताबिक दुर्लभ व विलुप्त हो रहे गिद्धों के संरक्षण के लिए सबसे पहले एशिया में वीटीआर जंगल से सटे चितवन अभ्यारण्य में 50 हेक्टेयर वन क्षेत्र में संरक्षण केंद्र बनाया गया था।जो डांगर, सफेद, सोना, खैरा, राज, हिमायली समेत कुल 8 प्रजाति के 517 गिद्धों का बसेरा है। इधर वीटीआर के वातावरण व आहार पोषक की प्रचुरता गिद्धों को लुभा रही है।

संपादकीय

रणनीति बदलते उग्रवादी

इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के सफाए के लिए सरकार और सुरक्षा बलों की ओर से जिस तरह मोर्चा लिया गया है, उसकी वजह से आतंकी संगठनों की राह मुश्किल हुई है। मगर यह भी सच है कि कसते शिकंजे से उपजी हताशा के बाद अब आतंकवादियों ने अपनी गतिविधियों को अलग शक्ल देना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ समय से किसी की पहचान कर या निशाना बना कर की जाने वाली हत्याओं के जरिए अब वे शायद यही दर्शाना चाहते हैं कि उनका वजूद बचा हुआ है। हालांकि जिस तरह जम्मू-कश्मीर के बाहर से आए किसी मजदूर की पहचान के आधार पर उन पर लक्षित तरीके से हमला किया जा रहा है, उससे यह साफ है कि अब उनके भीतर हताशा गहरा रही है। गौरतलब है कि बुधवार को श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में आतंकवादियों ने पंजाब के एक मजदूर की गोली मार कर हत्या कर दी थी। उस गोलीबारी में एक अन्य मजदूर भी बुरी तरह घायल हो गया था और गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी भी जान चली गई। कश्मीर में यह इस वर्ष की पहली लक्षित हत्या की घटना है। आतंकवाद से सामना करने के संदर्भ में सरकार की ओर से आए दिन यह दावा किया जाता है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की नकेल कसने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरती जा रही है और उनका जोर कम हो रहा है। मगर जमीनी हकीकत कुछ और है। आए दिन सुरक्षा बलों पर होने वाले हमलों के अलावा बीते कुछ वर्षों के दौरान निशाना बना कर की जाने वाली हत्या की घटनाओं से यही पता चलता है कि अब आतंकवादी संगठनों ने अपनी गतिविधियों के तौर-तरीके बदले हैं और आम लोगों के बीच आतंक फैलाने के लिए लक्षित हत्याएं शुरू कर दी हैं।पिछले वर्ष भी कई स्थानीय और बाहरी इलाकों से आकर गुजारा करने वाले कई मजदूरों की हत्या कर दी गई थी। इसका मकसद मुख्य रूप से यही है कि पहचान के आधार पर अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में संदेह और दूरी बनाने का माहौल पैदा किया जाए, ताकि असुरक्षाबोध से घिरे लोगों का इस्तेमाल हथियार के तौर पर हो सके। यह आतंकवादियों की नई रणनीति है, जिसके जरिए वे सुरक्षा-व्यवस्था के मजबूत होने के सरकार के दावों को झुठलाना चाहते हैं। हालांकि सरकार ने आतंकी संगठनों पर नकेल कसने के लिए हर स्तर पर कदम उठाए हैं और इसका नतीजा भी देखने में आया है।

गंगा में प्रदूषणः तय हो जवाबदेही

- ज्ञानेन्द्र रावत

> *अब तो यह भी साबित हो चुका है कि गंगा के पानी में घुले एंटीबायोटिक घातक साबित हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी आफ यार्क के वैज्ञानिकों के शोध के निष्कर्षों के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र ने एंटीबायोटिक की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त होने को वर्तमान में स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या माना है। विडम्बना है कि गंगा से जुड़ी सरकारी संस्थाएं इस तथ्य को नजरअंदाज करती आ रही हैं। असलियत में धार्मिक भावना के वशीभूत होकर गंगा के पानी में बहुत बड़ी तादाद में लोग ...*

जीवनदायिनी गंगा का जल अब पुण्य का नहीं वरन कष्ट का सबब बन गया है। यदि 1986 से गंगा की सफाई पर सरकार द्वारा किये गये खर्च को छोड़ भी दिया जाये तो देश में 2014 में मोदी के सत्तारूढ़ होने के बाद से केन्द्र ने लाखों करोड़ रुपये के बजट के साथ 409 परियोजनाएं शुरू की हैं। सरकार ने नेशनल मिशन फार क्लीन रिवर गंगा को 2014-15 से 31 जनवरी, 2023 तक 14084.72 करोड़ की राशि जारी की है। 31 दिसम्बर, 2022 तक 32,912,40 करोड़ की लागत से 409 प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जा चुका है। इनमें 232 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं और 2026 तक के लिए केन्द्र सरकार ने 22,500 करोड़ की राशि की स्वीकृति भी दे दी है। उसके बावजूद गंगा नदी की सफाई का मुद्दा इतने सालों बाद आज भी अनसुलझा है। दुखदायी बात तो यह है कि गंगा के पूरे बहाव क्षेत्र के 71 फीसदी इलाके में कोलीफार्म की मात्रा खतरनाक स्तर पर पायी गयी है। जहां तक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का सवाल है, उसके मुताबिक भी गंगा के 60 फीसदी हिस्से में बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे गंदगी बहायी जा रही है। इसका परिणाम यह है कि गंगा का जल पीना तो दूर, वह अब आचमन लायक भी नहीं रह गया है। मौजूदा हालात में गंगा जल को देश में चार जगहों यथा ऋषिकेश (उत्तराखंड), मनिहारी व कटिहार (बिहार), साहेबगंज व राजमहल (झारखंड) में ग्रीन कैटेगरी में रखा गया है। गौरतलब है कि ग्रीन कैटेगरी का मतलब यह है कि वहां का पानी कीटाणुओं को छानकर पीने में इस्तेमाल किया जा सकता है। जबकि उत्तर प्रदेश में तो 25 जगहों से ज्यादा का पानी ग्रीन कैटेगरी में शामिल है ही नहीं। इन जगहों पर गंगा जल को हाई लेवल पर साफ करने के बाद ही पीने योग्य बनाया जा सकता है। 28 जगहों का पानी तो नहाने लायक ही नहीं है। इसका सबसे ज्यादा और अहम कारण सॉलिड और लिक्विड वेस्ट है जो सीधे-सीधे गंगा में गिराया जा रहा है। यूनिवर्सिटी आफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट के शोध में खुलासा हुआ है कि गंगा के किनारे लगते मैदानी इलाकों में प्रदूषण का स्तर बढ़ते जाने से लोगों की उम्र कम हो रही है। अब तो यह भी साबित हो चुका है कि गंगा के पानी में घुले एंटीबायोटिक घातक साबित हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी आफ यार्क के वैज्ञानिकों के शोध के निष्कर्षों के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र ने एंटीबायोटिक की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त होने को वर्तमान में स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या माना है। विडम्बना है कि गंगा से जुड़ी सरकारी संस्थाएं इस तथ्य को नजरअंदाज करती आ रही हैं। असलियत में धार्मिक भावना के वशीभूत होकर गंगा के पानी में बहुत बड़ी तादाद में लोग नहाते हैं। यही नहीं, उसके जल का आचमन भी करते हैं। इससे एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया सीधे शरीर में प्रवेश कर जाता है और शरीर पर अपना असर दिखाने लगता है। उल्लेखनीय है कि गोमुख से लेकर गंगासागर में मिलने तक गंगा कुल 2525 किलोमीटर का रास्ता तय करती है। गंगा के इस सफर में कुल 445 किलोमीटर हिस्सा बिहार में पड़ता है। यहां 730 मिलियन लीटर सीवर का पानी बिना शोधन के सीधे गंगा में गिराया जा रहा है। यहां हानिकारक कीटाणुओं की तादाद इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है जिससे चर्म रोग होने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां टोटल कोलीफार्म और फीकल कोलीफार्म का स्तर औसत से कई गुणा ज्यादा है। गंगा देश की संस्कृति और आस्था की पहचान है। लेकिन अब यह देशवासियों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती है। इसके जल के पान की बात तो दीगर है, इसमें स्नान भी सेहत के लिए चुनौती साबित हो रहा है। क्योंकि अधिकांश जगहों पर कोलीफार्म बैक्टीरिया की मात्रा मानकों से 45 गुणा अधिक पायी गयी है। गंगा के प्रदूषित जल में जानलेवा बीमारियां पैदा करने वाले ऐसे जीवाणु मौजूद हैं जिन पर अब एंटीबायोटिक दवाओं का असर नहीं होता। हालिया अध्ययन इसके प्रमाण हैं जिन्होंने गंगा नदी बेसिन में माइक्रोप्लास्टिक के उच्च प्रसार का खुलासा किया है।

समान नागरिक संहिता विकास का महत्वपूर्ण आधार

- प्रियंका सौरभ

> *भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता ...*

देश का संविधान हमें समानता और समरसता के लिए प्रेरित करता है और समान नागरिक संहिता कानून लागू करने की प्रतिबद्धता इस प्रेरणा को साकार करने के लिए एक सेतु का कार्य करेगी।ह्व संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता की चर्चा की गई है। राज्य के नीति-निर्देशक तत्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि ह्यराज्य, भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगाह्व।
भारतीय संविधान के मुताबिक भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश है, जिसमें सभी धर्मों व संप्रदायों (जैसे ह्म हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, आदि) को मानने वालों को अपने-अपने धर्म से सम्बन्धित कानून बनाने का अधिकार है। भारत में दो प्रकार के पर्सनल लॉ हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956 जो कि हिंदू, सिख, जैन व अन्य संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल लॉ। ऐसे में जबकि मुस्लिमों को छोड़कर अन्य सभी धर्मों व संप्रदायों के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत बनाया गया हिंदू मैरिज एक्ट 1956 लागू है तो मुस्लिम धर्म के लिए भी समान कानून लागू होने की बात की जा रही है, जो प्रासंगिक होने के साथ नये बन रहे भारत की अपेक्षा है। भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं-कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है। समान नागरिक संहिता कानून बनते ही देश की विशेषकर आधी मुस्लिम आबादी के साथ न्याय हो सकेगा। बहुविवाह पर रोक लगेगी। महिलाओं को पैतृक संपत्ति में अधिकार मिलेगा, बच्चों को गोद लेने का भी अधिकार पाना संभव होगा। सभी धर्मों में लड़की की शादी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होगी। वर्तमान में मुस्लिम समाज शरिया पर आधारित पर्सनल लॉ के तहत संचालित है। इसमें मुस्लिम पुरुषों को चार विवाह की इजाजत है। इसके लागू होते ही एक विवाह ही मान्य होगा। मुस्लिम लड़कियों को भी लड़कों के बराबर अधिकार मिलेगा। इद्दत और हलाला जैसी कुप्रथा पर प्रतिबंध लगेगा। तलाक के मामले में शौहर और बीवी को बराबर अधिकार मिलेंगे। भारत कई धर्मों, रीति-रिवाजों और प्रथाओं वाला देश है। समान नागरिक संहिता भारत को आजादी के बाद से अब तक की तुलना में अधिक एकीकृत करने में मदद करेगी। यह प्रत्येक भारतीय को, उसकी जाति, धर्म या जनजाति के बावजूद, एक राष्ट्रीय नागरिक आचार संहिता के तहत लाने में मदद करेगा। यूसीसी वोट बैंक की राजनीति को कम करने में भी मदद करेगी जो कि ज्यादातर राजनीतिक दल हर चुनाव के दौरान करते हैं। यूसीसी समाज को आगे बढ़ने में मदद करेगा और भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर ले जाएगा। यूसीसी यह सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है कि सभी भारतीयों के साथ समान व्यवहार किया जाए। विवाह, विरासत, परिवार, भूमि आदि से संबंधित सभी कानून सभी भारतीयों के लिए समान होने चाहिए। एक समान नागरिक संहिता का मतलब यह नहीं है कि यह लोगों की अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता को सीमित कर देगा, इसका मतलब सिर्फ यह है कि प्रत्येक व्यक्ति के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा।

काव्य सृजन

मैं गांधारी

मेरा विवाह हो रहा है
एक धृतराष्ट्र से
कोई बात नहीं ;
पर मैं गांधारी नहीं
बांधूँगी
अपनी आँखों पर पट्टी
क्योंकि मैं नहीं चाहती
कि
मेरी कोख से जन्मा
बच्चा
आँखों वाला "नेत्रहीन"
दुर्योधन हो,
जो किसी द्रौपदी को
देख
अपनी जंघा ठोके और ;
एक और महाभारत
करवा दे।
हाँ...हाँ...मैं गांधारी नहीं
बांधूँगी
अपनी आँखों पर पट्टी।

- टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)।

गर्मी से चाहिए राहत तो जाएं हिमाचल प्रदेश

मई का महीने की शुरूआत हो गई है ऐसे में भीषण गर्मी ने अभी से लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। इस चिलचिलाती गर्मी की वजह से हर कोई काफी परेशान हो रहा है। इस मौसम में बच्चों की भी छुट्टियां होती हैं, जिस वजह से लोग गर्मी से राहत पाने के लिए सर्दी वाली जगहों पर घूमने का प्लान बनाते हैं। बहुत से लोग तो इस मौसम में अपने दोस्तों के साथ ही घूमने का प्लान बनाते हैं। अगर आप भी किसी ऐसी जगह के बारे में जानकारी तलाश कर रहे हैं, जो खूबसूरत होने के साथ-साथ ठंडी भी हो, तो हिमाचल प्रदेश की कुछ ऐसी जगहों पर जाएं जहां आपको गर्मी में भी सर्दी का एहसास होगा। ये सभी जगहें बेहद ही खूबसूरत भी हैं। ऐसे में आप अपने दोस्तों के साथ भी यहां जा सकते हैं।

कसौली

कसौली बेहद ही छोटा सा हिल स्टेशन है। एक समय था, जब यहां ज्यादा भीड़ नहीं होती थी, लेकिन आज के समय यहां काफी भीड़ रहती है। लोग यहां एडवेंचर करने दूर-दूर से आते हैं। अगर आपको भी एडवेंचर करना पसंद है, तो आप अप्रैल या मई के महीने में यहां आ सकते हैं। भारतीय और यूरोपीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण यह कृष्ण भगवान मंदिर जिसका निर्माण 1926 ईस्वी में किया गया था। इसकी वास्तुकला बेहद ही अनूठी और अद्भुत है। यह मंदिर कसौली के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है जहां पर पर्यटकों की काफी भीड़ देखी जाती हैं। इस मंदिर की विशेषता यह है कि इस मंदिर को चर्च की तरह निर्मित किया गया है जिसे देखने के लिए यहां पर दर्शनार्थियों तथा पर्यटकों की भीड़ होती है।

मूरंग

ऊंचे पहाड़, झरने और देवदार के पेड़ों की बीच मूरंग की खूबसूरती देखने लायक होती है। यहां आपको ज्यादा भीड़भाड़ नहीं मिलेगी। ऐसे में अगर आप अगर शांति में समय बिताना चाहते हैं, तो यहां जाने का प्लान कर सकते हैं।

जिस्पा

हिमाचल की लाहौल घाटी का एक छोटा-सा गांव है, जिस्पा। जो मनाली-लेह रूट पर भागा नदी के किनारे बसा है। समुद्र तल से 10,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित ये गांव केलांग से 22 किलोमीटर की दूरी पर है। इस गांव में 400 लोग रहते हैं जो बेहद प्यारे हैं। आप यहां तक रोड ट्रिप बना सकते हैं और मनाली से भी इस जगह पर आना आसान है। अक्सर देखा जाता है कि अप्रैल के महीने में यहां का तापमान 3 से 7 डिग्री तक होता है। ऐसे में अगर आप जिस्पा की हसीन वादियों में खोना चाहते हैं और गर्मी में सर्दी का एहसास करना चाहते हैं, तो यहां जाने का प्लान जरूर बनाएं।

स्पीति वैली

हिमाचल प्रदेश में स्थित इस खूबसूरत सी घाटी को लोग ठंडा रेगिस्तान भी कहते हैं। यहां आपको हर मोड़ पर बेहद अलग और खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा। अगर आप यहां गर्मी के मौसम में जाएंगे, तो आपको यहां से वापस आने का मन ही नहीं करेगा, क्योंकि यहां मौसम हमेशा ठंडा ही रहता है। चारों और झील,और हिमखंडों से घिरी, आसमान छूते शैल-शिखरों के दामन में बसी लाहौल-स्पीति की घाटियां पर्यटकों के लिए किसी स्वर्ग से कम नही है। आसमान छोटे पर्वतों के शिखर, ठंडी हवा के झौंके और चारों हरी-भरी हरियाली यह सब लाहुल-स्पीति को पर्यटक स्थलों में नया मुकाम दिलाते हैं।

हंसना मना है

पति- आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी- वाह कैसे पहचाना। पति- जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे ... आज सफेद निकला है।

मास्टर जी - शांति किसके घर में रहती है...? पप्पू - जिस घर में पति और पत्नी दोनों मोबाइल चलाते हैं...!!!

यमराज (औरत से) - चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। औरत - बस दो मिनट दे दो। यमराज - दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी...? औरत - फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश...!!!

पति और पत्नी एक कुएं के पास गए, जहां सिक्का डालने से मन की मुराद पूरी हो जाती थी...! पहले पति ने सिक्का डाला, फिर पत्नी जैसे ही सिक्का डालने गई तो पैर फिसल गया और वो कुएं में गिर गई! पति की आंखों में आंसू आ गए, ऊपर देखते हुए बोला- हे भगवान, इतनी जल्दी सुन ली...!!!

भिखारी (शर्मा जी से)- साहब मैं अपने परिवार से बिछड़ गया हूं। मिलने के लिए 150 रुपये चाहिए। शर्मा जी (भिखारी से) - कहां है तेरा परिवार.. भिखारी- जी वो मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

कहानी | प्यासा कौवा

एक बार की बात है, गर्मियों की चिलचिलाती दोपहर में एक प्यासा कौवा पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था, लेकिन उसे पानी कहीं नहीं मिला। वह प्यासा उड़ता ही जा रहा था। उड़ते-उड़ते उसकी प्यास बढ़ती जा रही थी, जिस कारण उसकी हालत खराब होने लगी। अब कौवे को लगने लगा कि उसकी मौत नजदीक है, लेकिन तभी उसकी नजर एक घड़े पर पड़ी। वो तुरंत हिम्मत जुटाकर उस घड़े तक पहुंचा, लेकिन उसकी खुशी बस कुछ समय के लिए ही थी, क्योंकि उस घड़े में पानी तो था, लेकिन इतना नहीं था कि कौवे की चोंच उस पानी तक पहुंच सके। कौवे ने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, लेकिन वह पानी पीने में सफल नहीं हो पाया। अब कौवा पहले से भी ज्यादा दुखी हो गया था, क्योंकि उसके पास पानी होते हुए भी वह प्यासा था। कुछ देर घड़े को देखते-देखते कौवे की नजर घड़े के आसपास पड़े कंकड़ों पर पड़ी और कंकड़ों को देखते ही उसके मन में एक योजना आई। उसने सोचा कि थोड़ी मेहनत करके अगर वह एक-एक करके सारे कंकड़ घड़े में डाल दे, तो पानी ऊपर आ जाएगा और वो आसानी से पानी पी सकेगा। उसने एक-एक कर आसपास पड़े कंकड़ों को घड़े में डालना शुरू कर दिया। वह कंकड़ों को तब तक घड़े में डालता रहा, जब तक पानी ऊपर उसकी चोंच तक नहीं आ गया। फिर काफी मेहनत के बाद जब पानी ऊपर आ गया, तो कौवे ने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेहनत करते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें।

धनु

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मकर

आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। तनाव रहेगा।

कुम्भ

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

2014 से पहले पुंछ क्षेत्र में आतंकवाद पर था नियंत्रण : जयराम रमेश

बोले- चार जून के बाद गठबंधन करेगा आतंकवाद-निरोधक ग्रिड को मजबूत

» नागरिक समाज को लगातार सशक्त बनाना होगा

बार्डर न्यूज मिरर

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि पुंछ में वायुसेना के काफिले पर हुआ हमला क्षेत्र में आतंकी हमलों की चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है और लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद, पार्टी और इंडिया गठबंधन के उसके सहयोगी दल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी ग्रिड को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं और आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्र के साथ एकजुट होकर खड़े हैं। रमेश ने दावा किया कि 2007 और 2014 के बीच इस क्षेत्र में आतंकवाद की कोई बड़ी घटना नहीं हुई।

सुरनकोट आतंकवादी हमला, नियंत्रण रेखा के पास स्थित पहाड़ी राजौरी-पुंछ क्षेत्रों में विशेष रूप से सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ आतंकवादी हमलों की चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है कि एक जनवरी 2023 से अब तक राजौरी-पुंछ क्षेत्र में हमारे 25 बहादुर सुरक्षाकर्मी और आठ निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं। हमारा दृष्टिकोण धार्मिक और जातीय संबंधों से परे राजनीतिक वर्ग और नागरिक समाज को लगातार सशक्त बनाना होगा। राजौरी-पुंछ एक विशाल और पहाड़ी क्षेत्र है और वहां आतंकवादियों के खिलाफ सामूहिक सामाजिक प्रतिरोध स्थापित करने के हमारे बहादुर सुरक्षाबलों के प्रयासों का समर्थन किया जाएगा।

पूर्व सीएम चन्नी के बयान पर भड़की भाजपा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय वायुसेना के वाहन पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले को कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने स्टंटबाजी बताया था। उन्होंने कहा था कि हमले नहीं हो रहे हैं। जब भी चुनाव आता है तो भाजपा को जिताने के लिए ऐसे स्टंट खेले जाते हैं। उनके इस बयान ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी। चरणजीत सिंह चन्नी के बयान को लेकर कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई है। इस बयान को लेकर भाजपा ने भी पलटवार किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने इसके जवाब में कहा कि देश के जवानों को लेकर घटिया राजनीति केवल कांग्रेस ही कर सकती है। भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा, चरणजीत सिंह चन्नी का दिमाग खराब हो गया है। किसी मुख्यमंत्री की तरफ से ऐसा बयान शोभा देता है? देश के जवानों को लेकर ऐसी घटिया राजनीति केवल कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है। यही उनका संस्कार है।

आतंकवाद के खिलाफ पार्टी देश के साथ खड़ी है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करती है तथा आतंकवाद के खिलाफ देश के साथ एकजुट होकर खड़ी है। खरगे ने अपने पोस्ट में कहा, सर्वोच्च बलिदान देने वाले वायुसेना के बहादुर योद्धा के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। हम आशा करते है कि घायल वायु योद्धा जल्द से जल्द ठीक हो जाएं और उनके बेहतरी के लिए प्रार्थना करते है। भारत अपने सैनिको के लिए एकजुट है।

मोदी सरकार भाषाओं के साथ कर रही पक्षपात

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा घोषित करने की मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की है। इसने कहा कि मराठी की 2,200 वर्षों की समृद्ध साहित्यिक परंपरा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि संबंधित मांग पिछले 10 साल से मोदी सरकार के पास लंबित है। उन्होंने रेखांकित कि पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने प्रख्यात विद्वान प्रोफेसर रंगनाथ पठारे की अध्यक्षता में मराठी भाषा विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी गई थी और पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने तत्कालीन संस्कृति मंत्री श्रीपद नाइक को पत्र लिखकर जुलाई 2014 में मांग को पूरा करने का अनुरोध किया था। उन्होंने दावा किया, दस साल बाद, मोदी सरकार ने इस मोर्चे पर शून्य प्रगति की है। साल 2004 से 2014 के बीच मनमोहन सिंह की सरकार ने तमिल (2004), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगु (2008), मलयालम (2013) और उड़िया भाषा (फरवरी 2014) को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया था। मोदी सरकार ने किसी भी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा नहीं दिया है। रमेश ने कहा कि मराठी में 2,200 वर्षों की समृद्ध साहित्यिक परंपरा है और मराठी में सबसे पहला शिलालेख (जिसे महाराष्ट्री प्राकृत कहा जाता है) पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह निश्चित रूप से किसी अन्य भाषा की शाखा नहीं है और स्थानीय बोलियों से स्वतंत्र रूप से विकसित हुई है।

वाइस चांसलरों ने राहुल गांधी के खिलाफ खोला मोर्चा

» 200 कुलपतियों ने कांग्रेस नेता पर की कानूनी कार्रवाई की मांग

बार्डर न्यूज मिरर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, वाइस चांसलर्स की नियुक्ति पर दिये गए बयान पर घिरते नजर आ रहे हैं। देश के लगभग 200 विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर्स ने राहुल गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इन्होंने साझा बयान जारी कर राहुल गांधी के आरोपों की निंदा की है। राहुल गांधी ने कहा था कि वाइस चांसलर्स की नियुक्ति योग्यता और अहर्ता को ताक पर रख कर कुछ संगठनों से संबंधों के आधार पर की जा रही है।

कुलपतियों और अन्य वरिष्ठ शिक्षाविदों ने साझा बयान में इस आरोप का खंडन किया और कहा कि कुलपतियों की नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से योग्यता के आधार पर हो रही है। कुलपति अपने कामकाज में संस्थाओं की मर्यादा और नैतिकता का ध्यान रखते हैं।

संघ और भाजपा वर्कर भरे जा रहे हैं : अजय राय

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कुलपतियों की नियुक्ति उनकी क्षमता और अनुभव के आधार पर नहीं की जा रही है, बल्कि उनकी संघ आयु (आरएसएस से जुड़ाव) देखी जाती है। संघ और भाजपा का वर्कर की नियुक्ति होगी तो उनमें पारदर्शिता नहीं होगी।

घड़ियाली आंसू बहा रहे मोदी : ममता

» बीजेपी ने पैसे के बल पर संदेशखाली का 'झूठ' फैलाया

बार्डर न्यूज मिरर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पैसे के बल पर संदेशखाली का 'झूठ' फैलाया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''घड़ियाली आंसू बहाना ' बंद करना चाहिए, क्योंकि 'भाजपा द्वारा रची गई साजिश का खुलासा एक हालिया स्टिंग से हो गया है।' तृणमूल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह उसके उस रुख की पुष्टि करता है कि संदेशखालि प्रकरण के पीछे भाजपा का हाथ था।

उन्होंने दावा किया कि क्या कभी किसी ने सोचा था कि भाजपा इतनी गिर जाएगी कि संदेशखाली पर अफवाहें फैलाएगी? ऐसे घृणित आरोप लगाकर पश्चिम बंगाल की माताओं का अपमान न करें। हमारी पार्टी के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए पैसे की पेशकश करके राज्य की महिलाओं का अपमान करने का साहस मत करो।' बनर्जी ने आरोप लगाया, 'वीडियो पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया देखकर यह स्पष्ट था कि वे डरे हुए हैं।' उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं समेत किसी भी व्यक्ति ने कोई गलत काम किया है, तो पार्टी और राज्य सरकार हमेशा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में तत्पर रहती है, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों।

तृणमूल ने वीडियो जारी कर भाजपा की साजिश खोली

तृणमूल ने कथित वीडियो जारी किया, जिसमें संदेशखालि में भाजपा के मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले गंगाधर कायल को यह कहते सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का हाथ है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस द्वारा साझा किए गए वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हो पाई है। बोलपुर लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद शताब्दी रॉय के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया, '(इस) झूठ की साजिश भाजपा ने रची और इसने कुछ लोगों को झूठ बोलने के लिए पैसे दिये।

केकेआर से हार के बाद एलएसजी मायूस

» अंकतालिका में कोलकाता शीर्ष पर लखनऊ टॉप-4 से बाहर

बार्डर न्यूज मिरर

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स ने आईपीएल 2024 के 54वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को 98 रन के विशाल अंतर से मात दी और अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। केकेआर ने इसी के साथ राजस्थान रॉयल्स की बादशाहत को खत्म किया। केकेआर की 11 मैचों में यह आठवीं जीत रही। केकेआर की जीत से राजस्थान रॉयल्स की बादशाहत खत्म हुई, जो एक स्थान के नुकसान के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है।

राजस्थान ने 10 मैचों में 8 मैच जीते हैं। संजू सैमसन के नेतृत्व वाली राजस्थान मंगलवार को जब दिल्ली के खिलाफ मैदान संभालेगी तो उसके पास शीर्ष पर पहुंचने का मौका होगा। आईपीएल 2024 में सोमवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला जाएगा। मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है और उसकी कोशिश सनराइजर्स हैदराबाद का खेल बिगाड़ने की होगी। हैदराबाद अगर मुंबई से मुकाबला हारा तो उसे अपने अगले तीन मैचों में कम से कम दो जीत की जरुरत रहेगी। आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह पाने की रेस रोमांचक हो रही है और यही वजह है कि प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण बनते जा रहा है। आने वाले मैचों में समीकरण में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिल सकते हैं।

हैदराबाद को मिला फायदा

चेन्नई सुपरकिंग्स ने रविवार को पंजाब किंग्स को 38 रन से मात दी और वो तीसरे स्थान पर बरकरार है। वहीं, लखनऊ सुपरजायंट्स को केकेआर के हाथों मिली विशाल शिकस्त का खामियाजा भुगतना पड़ा और वो टॉप-4 से बाहर हो गई है। केएल राहुल के नेतृत्व वाली लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम पांचवें स्थान पर है। एलएसजी की हार का फायदा सनराइजर्स हैदराबाद को मिला, जो चौथे स्थान पर पहुंच गई है। हैदराबाद ने अब तक 10 मैचों में 6 जीत दर्ज की है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, आरसीबी और पंजाब किंग्स क्रमशः छठे, सातवें व आठवें स्थान पर काबिज हैं। गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस क्रमशः 9वें और 10वें स्थान पर काबिज है।

करीना ने टॉक्सिक को किया बाय बाय

करीना कपूर खान यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस का नाम फिल्म से पिछले साल से ही जोड़ा जा रहा है। करीना कपूर फिल्म में यश की ऑन-स्क्रीन बहन की भूमिका निभाने वाली थीं। वहीं अब खबर आ रही है कि एक्ट्रेस इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनेंगी।

सूत्रों के हवाला से आई खबर एक अनुसार, 'करीना कपूर की डेट्स टॉक्सिक के लिए यश की डेट्स से मैच नहीं हो पा रही थीं। कई बार शेड्यूल बनाने के बाद भी निर्माताओं को कोई डेट्स नहीं मिल सकी। सूत्र ने आगे कहा, 'टॉक्सिक में एक भाई-बहन के रिश्ते को दिखाया जाना है और बहन का किरदार कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके लिए उन्हें एक बड़े चेहरे की जरूरत है। निर्माता इस भूमिका के लिए पैन इंडिया उपस्थिति वाली एक्ट्रेसेस को फिल्म का हिस्सा बनाना चाह रहे हैं।

जहां करीना ने फिल्म छोड़ दी, वहीं अफवाहें ये भी सुनने में आ रही है कि कियारा आडवाणी फिल्म का हिस्सा हैं। सूत्रों के अनुसार, कियारा फिल्म में अहम भूमिका निभाती नजर आने वाली हैं। फिल्म में तीन मुख्य कलाकार होंगे। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में तीन एक्ट्रेसेस होंगी, जिनमें करीना कपूर खान और कियारा का नाम शामिल है। लेकिन अब इसकी कास्ट कास्ट में फेरबदल होने की खबरें हैं और नए अपडेट के लिए हमें इंतजार करना होगा।

संजय लीला भंसाली के मुरीद हुए फरदीन खान

हीरामंडी से वापसी कर रहे फरदीन खान ने कहा कि उन्होंने और फिल्म निर्माता ने धूम्रपान छोड़ने के बारे में बात की। फरदीन खान पीरियड ड्रामा सीरीज पर एक पैनल डिस्कशन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। जब फरदीन से फिल्म मेकर भंसाली संग ऑन और ऑफ कैमरे के बॉन्डिंग को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, वह पैशनेट हैं और वह जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। अगर वह आपके साथ तालमेल बिठाते हैं तो वह आपको अपने वर्किंग प्रोसेस में इनवाइट जरूर करेंगे और वह आपकी बात सुनेंगे। चीजें इसी तरह होनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मुझे इतने पैशनेट फिल्म निर्माता के साथ काम करने का कभी मौका नहीं मिला था, मुझे फिल्मों के अलावा किसी और चीज पर उनके साथ ज्यादा बातचीत करने का मौका नहीं मिला है। लेकिन फिर भी, हमने पालतू जानवरों, धूम्रपान छोड़ने और माताओं के बारे में बात की। धूम्रपान छोड़ने पर फरदीन ने संजय लीला भंसाली के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए कहा, मैंने धूम्रपान छोड़ दिया, वह धूम्रपान छोड़ना चाहते हैं, इसलिए हमने इस बारे में बातचीत की। संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए, फरदीन ने कहा, मैंने सोचा भी नहीं था कि वह फिल्में बनाने के अलावा कुछ और कर सकते हैं। अपने जीवन में कभी-कभी आप ऐसे लोगों से मिलते हैं जो अपने काम में माहिर होते हैं। वह एक ऐसे ही व्यक्ति हैं। वह सच्चे मास्टर हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहरुख खान ने लिया फिल्मों से ब्रेक

शाहरुख खान ने बीते वर्ष पर्दे पर खूब धमाल मचाया है। उन्होंने करीब 5 साल बाद 2023 में फिल्म पठान से कमबैक किया था। उनकी इस फिल्म को दुनियाभर के चाहने वालों के बीच इतना प्यार मिला कि इसने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड्स कायम किए। इस सफलता के कुछ ही महीनों बाद उनकी अगली फिल्म जवान और फिर डंकी भी बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाका किया। ऐसे में कह सकते हैं कि बीता साल शाहरुख के लिए बहुत शानदार रहा। हालांकि, अब एक्टर कुछ समय का ब्रेक चाहते हैं। एक साल में ही 3 जबरदस्त हिट फिल्में देने के बाद शाहरुख ने खुद को लेकर एक बड़ा फैसला किया है। उन्होंने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें अब थोड़े ब्रेक की जरूरत है। शाहरुख ने कहा कि पिछले कुछ समय से लगातार काफी काम कर रहे थे, लेकिन फिलहाल वह अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को वक्त देना चाहते हैं। शाहरुख ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अब थोड़ा आराम कर सकता हूं। मैं तीन फिल्में कर चुका हूं। इसमें काफी फिजिकल वर्क किया गया है। इसलिए मैंने कह दिया कि मैं कुछ समय के लिए छुट्टी लूंगा। मैंने पूरे टीम से कहा है कि मैं मैच देखने जाऊंगा। शाहरुख ने अपनी बात पूरी करते हुए बताया कि वह IPL के लिए फिल्मों से ब्रेक ले रहे हैं। उन्होंने काम पर वापसी के समय का भी खुलासा किया है। किंग खान ने कहा, किस्मत की बात है कि अब शूटिंग भी जुलाई या अगस्त में हैं। जून से भी हो सकती है, लेकिन अभी तो मैं मैचेस के लिए बिल्कुल फ्री हूं और मुझे इसकी बहुत खुशी है। दूसरी ओर शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो जल्द ही उन्हें फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में देखा जाने वाला है। इस फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार सलमान खान भी नजर आने वाले हैं। इसके अलावा शाहरुख के पास किंग टाइटल से बन रही फिल्म भी पाइपलाइन में हैं।

क्या ट्रेन का चालक अपने मन से स्पीड घटा या बढ़ा सकता है?

जब भी हम ट्रेन से सफर करते हैं, तो कई बार स्पीड इतनी धीमी होती है जिसे लेकर गुस्सा भी आता है। जब भी हम लेट हो रहे होते हैं तो यही लगता है कि काश चालक ट्रेन की गति बढ़ा देता। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या ट्रेन का चालक अपने मन से ट्रेन की स्पीड घटा या बढ़ा सकता है? भारतीय रेलवे में चीफ इंजीनियर रहे एक शख्स ने इसके बारे में विस्तार से बताया है। यकीन मानिए इसे पढ़ने के बाद आप ट्रेन लेट होने के लिए कभी भी चालक को जिम्मेदार नहीं ठहराएंगे। खुद को भारतीय रेलवे में चीफ इंजीनियर बताने वाले अनिमेष कुमार सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म कोरा पर इसके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, लोको पायलट यानी ट्रेन का चालक स्पीड घटाने या बढ़ाने में अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन इसकी भी सीमा तय है। सामान्यतः लोको पायलट के लिए तीन स्पीड तय की जाती है। पहली बुक्ड स्पीड। दूसरी अधिकतम निर्धारित गति और तीसरी प्रतिबंधित गति। अब आप इसे एक उदारहण से समझिए। आम तौर पर मेल या एक्सप्रेस ट्रेन की अधिकतम निर्धारित गति 110 किलोमीटर प्रतिघंटे होती है। लेकिन बुक्ड स्पीड 100 रखी जाती है। यानी बुक्ड स्पीड अधिकतम तय गति से 10 फीसदी कम होती है। इसलिए ज्यादातर लोको पायलट 100 के स्पीड पर ट्रेन चलाएंगे। अगर ट्रेन लेट हो, तो वे अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए 110 की स्पीड तक ट्रेन ले जा सकते हैं। अब यह लोको पायलट के विवेक पर है कि बुक्ड स्पीड यानी 100 kmph और अधिकतम गति 110 kmph के बीच लोको किस स्पीड से ट्रेन लेकर जाता है। अगर उसे कहीं झटका महसूस होता है, तो वह गति कम कर सकता है। अगर कहीं कोहरा आदि की वजह से विजिबिलिटी बाधित होती है तो भी लोको पायलट को स्पीड तय करने का अधिकार है। ट्रैक पर काम हो तब पुराने पुल से गुजरते समय और ज्यादा कर्व होने पर लोको पायलट 100 की स्पीड से ट्रेन नहीं चला सकता। उसे कम यानी प्रतिबंधित स्पीड पर ही ट्रेन चलानी होगी। वह 45 किलोमीटर की स्पीड पर ले जा सकता है। इन जगहों को स्पीड रेस्ट्रिक्शन एरिया कहा जाता है। यहां तक कि मेल, एक्सप्रेस और राजधानी, शताब्दी ट्रेनों के ड्राइवर भी इसी नियम का पालन करते हैं, वे चाहें तो इससे कम गति पर ले जा सकते हैं, लेकिन इससे ज्यादा स्पीड नहीं रख सकते।

अजब-गजब | पांच हजार साल पुराना है मंदिर, इंद्र ने यहां बनायी थी खाई

शिवलिंग नहीं यहां होती है अंगूठे की पूजा

देश में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों के साथ हजारों लाखों मंदिर हैं। ज्यादातर में शिवलिंग और कुछ में मूर्ति। इनमें से कई के पीछे पौराणिक कहानी और किंवदंतियां हैं। राजस्थान के सिरोही जिले में एक ऐसा दुर्लभ शिव मंदिर है जहां भोलेनाथ के अंगूठे की पूजा होती है। हम बात कर रहे हैं माउंट आबू के अचलगढ़ स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर की। इस मंदिर का इतिहास 5 हजार वर्ष पुराना बताया जाता है। माउंट आबू ऋषि वशिष्ठ की तपस्थली है। इस मंदिर के बारे में शिवपुराण और स्कंद पुराण के अर्बुद खंड में भी उल्लेख है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर हाथी की 2 मूर्तियां बनी हुई हैं। अंदर मुख्य मंदिर के अलावा कई छोटे मंदिर हैं। मुख्य मंदिर के सामने प्रवेश द्वार पर पंचधातु की नंदी की प्रतिमा है, जो करीब 4 टन वजनी है। मुख्य मंदिर में एक शिलालेख लगा है।

मुख्य मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग हैं। आसपास कई प्राचीन प्रतिमाएं स्थापित हैं। गर्भ गृह में अर्बुद नाग की प्रतिमा के बीच में गहरी खाई बनी हुई है। इस खाई के अंदर भगवान शिव के अंगूठे की पूजा होती है। इस खाई में जितना भी जल अर्पित किया जाता है, ये खाई कभी भरती नहीं है। गर्भगृह में महाराजा कुम्भा द्वारा स्थापित कालभैरव

समेत कई देव प्रतिमाएं हैं। मंदिर के पुजारी पन्नालाल रावल ने बताया मंदिर हजारों वर्ष पुराना है। इंद्रदेव ने यहां एक ब्रह्म खाई बना दी थी। वशिष्ठ आश्रम में नंदिनी गाय रहती थी। जो खाई में गिर जाती थी। ऋषि ने देवी सरस्वती का आह्वान कर गाय को बाहर निकाला। आज भी वशिष्ठ आश्रम में गाय के मुख से जलधारा बहती है। देवों ने ऋषि से कहा आपके आश्रम के बाहर गहरी खाई है, इसका कोई उपाय करो। तब अर्बुदांचल पर्वत और अर्बुद नाग को लाकर ब्रह्म खाई पर स्थापित किया गया। बाद में भूकम्प आने लगे, तो देवता ऋषि वशिष्ठ के पास गए। ऋषि ने समाधि ध्यान कर देखा कि महादेव के यहां नहीं होने से अर्बुद नाग के हिलने-डूलने की वजह से यहां भूकम्प आ रहे थे। तब यहां भगवान शिव के अंगूठे को स्थापित किया गया। तब से अर्बुदांचल पर्वत यहां अचल हो गया। इसलिए इस मंदिर का नाम भी अचलेश्वर हो गया।